



आरती PDF



श्री गणपतीची आरती
सुखकर्ता दुःखहर्ता

सुखकर्ता दुःखहर्ता वार्ता विघ्नाची |
नुरवी पुरवी प्रेम कृपा जायची |
सर्वांग सुंदर उटी शेंदुराची |
कंठी झळके माळ मुक्ताफळाची |
जयदेव जयदेव जय मंगलमूर्ती |
दर्शनमात्रे मनःकामना पुरती जय देव जय देव || धृ ||
रत्नखचित फार तुज गौरीकुमरा |
चान्दांची उटी कुंकुमकेशरा |
हिरेजडीत मुगुट शोभती बरा |
रुणझुणती नुपुरे चरणी घागरिया || जय || २ ||
लंबोदर पितांबर फणीवरबंधना |
सरळ तोंड वक्रतुंड त्रिनयना |
दास रामाचा वाट पाहे सदना |
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवरवंदना |
जयदेव जयदेव जय मंगलमूर्ती |
दर्शनमात्रे मनःकामना पुरती || ३ ||



श्री गणपतीची आरती
शेंदूर लाल चढायो

शेंदूर लाल चढायो अच्छा गज मुखको |
दोंदिल लाल विराजे सुत गौरीहरको |
हाथ लिये गुडलड्डू साई सुरवरको |
महिमा काहे न जाय लागत हुं पदको || १ ||
जय जय जी गणराज विद्यासुखदाता |
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता || धृ ||
अष्टौ सिद्धी दासी संकटको बैरी |
विघ्नविनाशक मंगल मुरत अधिकारी |
कोटीसुरजप्रकाश ऐसी छबी तेरी |
गंडस्थलमदमस्तक झुले शशिबिहारी || जय || २ ||
भावभगतसे कोई शरणागत आवे |
संतत संपत सबही भरपूर पावे |
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे |
गोसावीवंदन निशिदिन गुण गावे |
जय जय जी गणराज विद्यासुखदाता || धन्य || ३ ||



श्री शंकराची आरती

आरती PDF

लवथवती विक्राळा ब्रम्हांडी माळा |
वीषे कंठी कला त्रिनेत्री ज्वाळा |
लावण्यसुंदर मस्तकी बाळा |
तेथुनिया जल निर्मळ वाहे झुळझुळा || १ ||
जय देव जय देव जय श्रीशंकरा |
आरती ओवाळू तुज कर्पूरगौरा || धृ ||
कर्पूरगौरा भोळा नयनी विशाळा |
अर्धांगी पार्वती सुमनांच्या माळा |
विभूतीचे उधळण शितिकंठ निळा |
ऐसा शंकर शोभे उमावेल्लाळा | जय देव || २ ||
देवी दैत्यी सागर मंथन पै केले |
त्यामाजी अवचित हळहळ जें उठिले |
तें त्वां असुरपणे प्राशन केलें |
नीळकंठ नाम प्रसिद्ध झाले | जय || ३ ||
व्याघ्रांबर फणिवरधर सुंदर मदनारी |
पंचानन मनमोहन मुनिजनसुखकारी |
शतकोटीचे बीज वाचे उच्चारी |
रघुकुळटिळक रामदासांतरी || जय देव || ४ ||

श्री देवीची आरती

दुर्गे दुर्घट भारी तुजवीण संसारी |
 अनाथनाथे अंबे करुणा विस्तारी |
 वारी वारी जन्ममरणाते वारी |
 हरी पडलो आता संकट निवारी || १ ||
 जय देवी जय देवी महिषसूरमथिनी |
 सुरवरईश्वरवरदे तारक संजीवनी जय देवी जय देवी || धृ ||
 त्रिभुवन भुवनी पाहता तुजऐसी नाही |
 चारी श्रमले परंतु न बोलवे काही |
 साही विवाद करिता पडिले प्रवाही |
 तें तू भक्तालागी पावसी लवलाही || जय || २ ||
 प्रसन्नवदने प्रसन्न होसी निजदासा |
 क्लेशापासुनि सोडावि तोडी भवपाषा |
 अंबे तुजवाचून कोण पुरविल आशा |
 नरहरी तल्लिन झाला पदपंकजलेशा |
 जय देवी जय देवी जय महिषासुरमथिनी |
 सुरवरईश्वरवरदे तारक || ३ ||

श्री दत्ताची आरती

त्रिगुणात्मक त्रिमूर्ती दत्त हा जाणा |
त्रिगुणी अवतार त्रिलोक्यराणा |
नेति नेति शब्द नये अनुमाना |
सुरवरमुनिजन योगी समाधी न ये ध्याना || १ ||
जय देव जय देव जय श्रीगुरुदत्ता |
आरती ओवाळीता हरली भवचिंता जय देव जय देव || धृ ||
सबाह्य अभ्यंतरी तू एक दत्त |
अभाग्यासी कैची कळेल हे मात |
पराही परतली तेथे कैचा हा हेत |
जन्ममरणाचा पुरलासे अंत || जय || २ ||
दत्त येउनिया उभा ठाकला |
भावे सांष्टागोसी प्रणिपात केला |
प्रसन्न होऊनी आशीर्वाद दिधला |
जन्ममरणाचा फेरा चुकविला || जय || ३ ||
दत्त दत्त ऐसे लागले ध्यान |
हारपले मन झाले उन्मन |
मी तू झाली बोळवण |
एका जनार्दनी श्रीदत्तध्यान || जय देव || ४ ||



श्री विठोबाची आरती

आरती PDF

युगे अठ्ठावीस विटेवरी उभा |
वामांगी रखुमाई दिसे दिव्य शोभा |
पुंडलिकाचे भेटी परब्रम्ह आले गा |
चरणी वाहे भीमा उद्धरी जगा || १ ||
जय देव जय देव जय पांडुरंगा ||
रखुमाईवल्लभा राहीच्या वल्लभा
पावे जिवलगा जय देव जय देव || धृ ||
तुळसीमाळा गळा कर ठेवुनी कटी |
कांसे पितांबर कस्तुरी लल्लाटी |
देव सुरवर नित्य येती भेटी |
गरुड हनुमंत पुढे उभे राहती || जय || २ ||
धन्य वेणुनाद अनुक्षेत्रपाळा |
सुवर्णाची कमळे वनमाळा गळा |
राई रखुमाई राणीया सकळा |
ओवाळिती राजा विठोबा सावळा || जय || ३ ||
ओवाळू आरत्या कुर्वड्या येती |
चंद्रभागेमाजी सोडुनिया देती |
दिंड्या पताका वैष्णव नाचती |
पंढरीचा महिमा वर्णावा किती || जय || ४ ||
आषाढी कार्तिकी भक्तजन येती |
चंद्रभागेमध्ये स्नाने जें करिती |
दर्शनहेळामात्रे तया होय मुक्ती |
केशवासी नामदेव भावे ओवाळिती || जय देव जय देव जय || ५ ||



श्री ज्ञानदेवाची आरती

आरती ज्ञानराजा | महाकैवल्यतेजा |
सेविती साधुसंत | | मनु वेधला माझा | |
आरती | | धृ | |
लोपलें ज्ञान जगी | हित नेणती कोणी |
अवतार पांडुरंग | नाम ठेविले ज्ञानी | | १ | |
कनकाचे ताट करी | उभ्या गोपिका नारी |
नारद तुंबर हो | | साम गायन करी | | २ | |
प्रकट गुह्य बोले | विश्व ब्रम्हाची केलें |
रामजनार्दनी | पायी मस्तक ठेविले |
आरती ज्ञानराजा | महाकैवल्यतेजा | |
सेविती | | ३ | |